



BY POONAM SHA



UMMEED
CLASSES

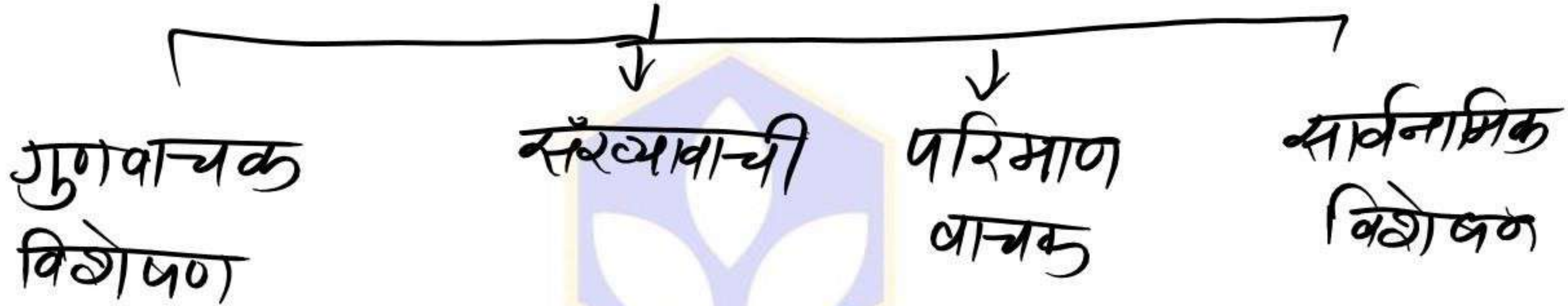
पार्ट 2

विशेषण



www.ummeedclasses.com

विशेषण के भेद



* व्यक्तिवाचक विशेषण

3) परिमाण वाचक विशेषण :- वे शब्द जो संज्ञा के नाप, माप और तौल का बोध कराए उसे परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं।

उदा → 2 किलो घी, 2 मीटर कपड़ा
थोड़ा पानी
3 लीटर दूध

परिमाणवाचक विशेषण

निश्चित

परिमाणवाचक



(निश्चित मात्रा)

2 लीटर दूध

1 किलो तेल



UMMEED
CLASSES

अनिश्चित

परिमाणवाचक



(संख्या निश्चित नहीं)

थोड़ा घी, थोड़ा धनिया,
जरा सी सल्जी

(i) निश्चित परिमाणवाची :- वे शब्द जिनसे निश्चित मात्रा में नाप, माप व गैल का बोध हो, उसे निश्चित परिमाणवाची विशेषण कहते हैं।

उदाहरण

2 किलो चावल,
3 मीटर छाछ,

4 मीटर कपड़ा

ii) अनिश्चित परिमाणवाची :- वे शब्द जिन्से नाप, माप व तौल की निश्चित मात्रा का बोध न हो, उसे अनिश्चित परिमाणवाचक कहते हैं।

जरा सा, थोड़ा, बहुत, कम, ज्यादा

उदाहरण :- कम घी, थोड़ा पानी, बहुत चावल,
थोड़ी शक्कर

उदाहरण :-

- 1) दर्जी से दो मीटर कपड़ा ले आओ।
निश्चित परिमाणवाचक
- 2) पिताजी बाजार से दो किलो टमाटर
तथा थोड़ी अदरक लाये। (अनिश्चित
परिमाणवाचक)
- 3) इसमें थोड़ी रावकर डाल दो।
अनिश्चित परिमाणवाचक

4) सार्वनामिक विशेषण :- वे सर्वनाम जो संज्ञा की विशेषता को बोध कराते हैं, उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं।



- | | |
|------------------------|--|
| i) निश्चयवाचक - यह, वह |] उदा → वह आदमी अच्छा है।
सार्व. विशेषण |
| ii) अनिश्चय - कोई, कुछ | |
| iii) प्रश्नवाचक - कौन | |
| iv) संबंधवाचक - जो | |
- ये पुस्तकें अच्छी हैं।
सार्व. विशेषण

उदा: ① बाहर कोई व्यक्ति आया है।

सार्व. विशेषण

② तुम यह पेन मुझे दे दो।

सार्व. विशेषण

③ जो लड़की बाहर खड़ी है, वह ईमानदार है।

सार्व. विशेषण

① यह पेन मेरा है। सार्व० विशेषण

② यह मेरा पेन है। सर्वनाम

③ यह मेरी घड़ी है। → सर्वनाम

यह घड़ी मेरी है। ⇒ सार्व० विशेषण

* व्यक्तिवाचक विशेषण : यदि व्यक्तिवाचक संज्ञा किसी संज्ञा की विशेषता बताती है तो वह व्यक्तिवाचक विशेषण कहलाती है।

उदा → जोधपुरी रजाइयों, जोधपुरी साफे
राजस्थानी खाना, जागौरी सेंतरे

विशेषण की अवस्थाएँ

- (अ) → मूलावस्था / प्रथमावस्था (कोई तुलना नहीं)
- (ब) → मध्यमावस्था (— तर) (दो में तुलना)
- (स) → उत्तमावस्था (— तम) (अनेक में तुलना)

उदा:- निम्न में से उन्नीसवाँ है -

- a) लघु - (सूत्रावस्था)
- b) लघुत्तर (मध्यमावस्था)
- c) लघुतम
- d) लघुतम

i) मूलावस्था :- जिस अवस्था में केवल एक ही संज्ञा के बारे में बोध हो और कोई तुलना न हो, वहाँ मूलावस्था होती है।

उदा → राम अच्छा कालक है। (मूलावस्था)

गीता : दो शिपार है।

सीता सुन्दर लड़की है।

ii) मध्यमावस्था :- जहाँ दो वंशों में तुलना की जाती वहाँ
मध्यमावस्था होती है।

उदा → सोहन मोहन से अधिक होशियार है।

यह निम्नतर कोटि का है।

वह श्याम से अधिक तेज धावक है।

iii) उत्तमावस्था :- जब अनेकों में तुलना की जाती है वहाँ उत्तमावस्था होती है।

उदा → राम ने कक्षा में सर्वाधिक अंक प्राप्त किये वह सबसे उत्तम बालक है।

वह कक्षा में सबसे मेहनती लड़का है।



UMMEED
CLASSES



UMMEED
CLASSES



UMMEED
CLASSES

THANKS FOR WATCHING!

Contact us:



LIKE, COMMENT AND SHARE

SUBSCRIBE



UMMEED CLASSES



+91- 9269-100-222



Ummeedclasses.Com



Get it on
Google
Play

**Download
Now**